

मैप डेटा के लिये स्थानीय बाज़ार तलाशगी एंटरकिस

चर्चा में क्यों?

- भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो की वाणज्यिक शाखा एंटरकिस कॉर्प स्थानीय कंपनियों को राजमार्ग बनाने और कार फर्मों को शहरों के नक्शे मुहैया कराने के लिये मैप डेटा की बिक्री की संभवानाएँ तलाश रही है।
- वर्तमान में हैदराबाद स्थिति 'नेशनल रमिोट सेंसिंग एजेंसी' धरती के अवलोकन करने वाले उपग्रहों के भारतीय दस्ते से मली जानकारी का वश्लेषण करती है और वह भारतीय ग्राहकों को मैप डेटा मुहैया करा रही है।
- गौरतलब है कि एंटरकिस इसरो की कारोबारी इकाई है, जो मुख्यतः उपग्रह के स्पेक्ट्रम नजि क्षेत्र की कंपनियों को करिए पर देने तथा सैटेलाइट इमेजरी को बेचने का काम करती है।

मैप डेटा की बिक्री की संभवानाएँ क्यों?

- हाल के वर्षों में नजि उपग्रह कंपनियों का वैश्विक वसितार हुआ है, जिन्होंने धरती के अवलोकन के लिये उपग्रह स्थापति किये हैं और उसे लाभदायक कारोबारी मॉडल बनाया है। इसकी वज़ह से एंटरकिस भी वचिार कर रही है कि भारत में इस तरह की संभवानाएँ तलाशी जाएँ।
- दलिचस्प है कि एंटरकिस ने अपने आईआरएस-2 उपग्रह के मैप डेटा की बिक्री से वाणज्यिक कारोबार 1992 में शुरू किया था। अमेरिकी और जीआईएस कंपनियों के आने व नजि उपग्रह के कारण इसकी बाज़ार हसिसेदारी कम होती गई।
- दरअसल, 'रमिोट सेंसिंग डेटा' के लिये भारत का वाणज्यिक बाज़ार अभी बहुत बड़ा नहीं है, कन्तु यह भवषिय में बड़ा बाज़ार बन सकता है। यही कारण है कि एंटरकिस एक वैश्विक सलाहकार नयुक्त करने पर वचिार कर रही है, जो बाज़ार की संभवानाओं का अनुमान लगाने और उपभोक्ताओं को डेटा की बिक्री में मदद करेगा।

नषिकरष

- भारत नागरिक रमिोट सेंसिंग उपग्रहों के लिये बड़े बाजारों में से एक है, लेकनि यहाँ डजिटिल मैप डेटाबेस तैयार करने में बहुत कम खर्च किया गया है, जसिसे कारोबार की संभवानाएँ तलाशी जा सकती थीं।
- 'मैप माई इंडिया' नाम की एक कंपनी ने इसरो से मैपिंग डेटा लिया है, जसिसे ऑटो, लॉजस्टिक्स और रटिल जैसी वशेष सेवाओं के लिये डजिटिल मैप बनाए जा सकें और इन कंपनियों को अपने ग्राहकों व वतितरकों से जुड़ने में मदद मलि सके। लेकनि यह बहुत छोटे स्वरूप में है।